विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी, विषय-हिन्दी वर्ग-दशम्

दिनांक- २५/५/२०

|| अध्ययन- -सामग्री ||

ईद की दिली मुबारकबाद !

आज हम सीधे पठन-पाठन की चर्चा करते हुए कृतिका पाठ- 1 'माता का अंचल' के शेषांश को पढ़ेंगे । कल हमने पढ़ा कि लेखक अनेक प्रकार के खेल का आयोजन अपनी मित्र - मंडली के साथ मिलकर किया करते थे । उसी दौरान उन्होंने एक बार एक सचमुच की बारात जाती देखी जिसमें एक घोड़मुँहा दूल्हा दिखा, उसका चेहरा को देखकर लेखक को बड़ा आश्चर्य हुआ उन्होंने कहा ऐसा घोड़मुँहा

दूल्हा मैंने पहले नहीं देखा । अब आगे .....

आम की फसल में कभी-कभी खूब आंधी आती है । आंधी के कुछ दूर निकल जाने पर हम लोग बाग की ओर दौड़ पड़ते थे । वहां चुन-चुन कर घुले - घुले गोपी आम चाबते थे ।

एक दिन की बात है ,आंधी आई और पट पड़ गई । आकाश काले बादलों से ढक गया। मेघ गरजने लगे। बिजली कौंधने और ठंडी हवा सनसनाने लगी । पेड़ झूमने और जमीन चूमने लगे । हम लोग चिल्ला उठे –

एक पैसा लाई ; ही बाजार में छितराई , बरखा उधर बिलाई ।

* लेकिन बरखा ना रुकी ;और भी मूसलाधार पानी बरसने लगा । हम लोग पेड़ों की जड़ से सट गए, ठीक वैसे ही जैसे कुत्ते के कान में अठई चिपक जाती हैं ।मगर बरखा जमी नहीं, थम गई ।

बरखा बंद होते ही बाग में बहुत से बिच्छू नजर आए ।हम लोग डरकर भाग चले । हम लोगों में बैजू बड़ा ढीठ था । संयोग के बात, बीच में ही मूसन तिवारी मिल गए । बेचारे आदमी को सूझता कम था । बैजू उनको चिढ़ा कर बोला –

बुढ़वा बेईमान मांगे करेला का चोखा ।

हम लोगों ने भी बैजू के सुर में सुर मिलाकर यही चिल्लाना शुरू किया । तिवारी ने

बेतहाशा खदेड़ा । हम लोग तो बस अपने-अपने घर की ओर आंधी हो गए।

जब हम लोग ना मिल सके तब तिवारी जी सीधे पाठशाला में चले गए ।वहां से हमें और बैजू को पकड़ने के लिए चार लड़के गिरफ्तारी वारंट लेकर छूटे। इधर ज्यों ही हम लोग घर पहुंचे,त्योंहि गुरुजी के सिपाही हम लोगों पर टूट पड़े। बैजू तो नौ दो ग्यारह हो गया; हम पकड़े गए। फिर तो गुरुजी ने हमारी खूब खबर ली ।

बाबूजी ने हाल सुना वह दौड़े हुए पाठशाला में आए । गोदी में उठाकर हमें पुचकारने और फुसलानेलगे । पर हम दुलारने से चुप होने वाले लड़के नहीं थे । रोते-रोते उनका कंधा आंसुओं से तर कर दिया ।वह गुरु जी की चिरौरी करके हमें घर ले चले । रास्ते में

फिर हमारे साथी लड़कों का झुंड मिला । वे नाचते और गाते जा रहे थे ।

शब्दार्थ –

- ***अठई - -कुत्ते के शरीर में चिपके रहने वाले छोटे की कीड़े***
- ***चिरौरी-दीनता पूर्वक की जाने वाली विनती***
-
- ***गृहकार्य :.***
- ***दी गई अध्ययन-सामग्री को पढ़ेंगे और कॉपी में लिखें ।***
- ***पाठ में आए मुहावरों को लिखें तथा उसका अर्थ लिखें ।***

- ***मूसन तिवारी को चिढ़ाने पर लेखक तथा उसके साथियों को किस प्रकार की सजा मिली ?***
- ***आम के बाग की बारिश में बच्चों की गतिविधियों को चित्रित करें (शब्दों से) ।***
-
- ***पाठ में से मिश्र वाक्य के उदाहरण को चुनें ।.***
-
-

धन्यवाद !